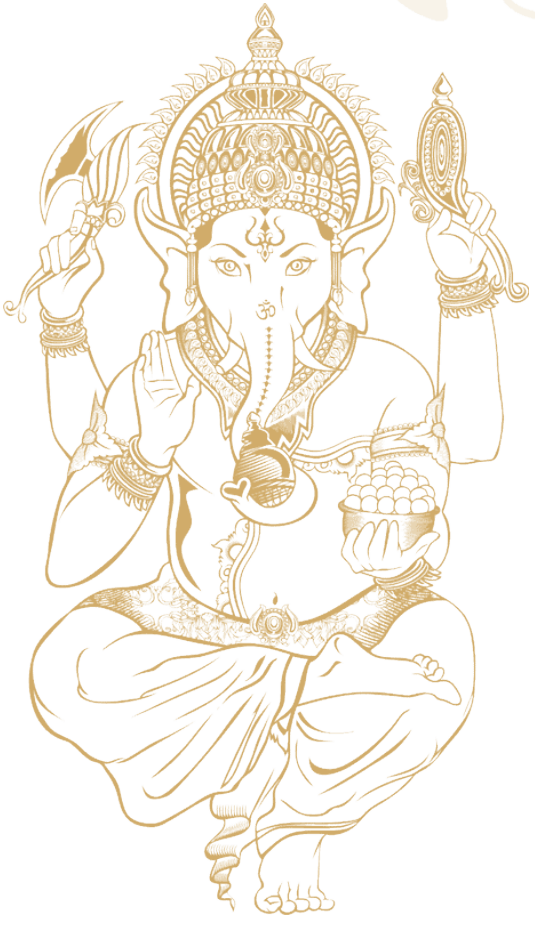

Aman Bhardwaj

Priya devi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120486602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/05/1994	जन्म तिथि	04/06/2000
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 16:08:00	जन्म समय	09:45:00 घंटे
घटी 26:24:29	जन्म समय(घटी)	11:04:58 घटी
India	देश	India
Kangra	स्थान	Una
32:04:00 उत्तर	अक्षांश	31:28:00 उत्तर
76:16:00 पूर्व	रेखांश	76:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:56	स्थानिक संस्कार	-00:24:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:34:12	सूर्योदय	05:20:16
19:09:18	सूर्यास्त	19:26:06
23:46:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:31

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 16वर्ष 0मा 13दि		15:28:49	कन्या	लग्न	कर्क	17:40:06	राहु 8वर्ष 9मा 3दि	
शुक्र		22:51:43	मेष	सूर्य	वृष	19:59:43	शनि	
20/05/2017		17:25:20	मीन	चंद्र	मिथु	13:30:41	08/03/2025	
20/05/2037		23:42:57	मीन	मंगल	वृष	27:48:19	08/03/2044	
शुक्र	19/09/2020	01:08:15	वृष	बुध	मिथु	13:08:11	शनि	11/03/2028
सूर्य	19/09/2021	15:06:26	तुला व	गुरु	वृष	00:22:19	बुध	19/11/2030
चन्द्र	21/05/2023	19:47:47	वृष	शुक्र	वृष	18:01:15	केतु	29/12/2031
मंगल	20/07/2024	16:52:55	कुंभ	शनि	मेष	29:40:33	शुक्र	28/02/2035
राहु	21/07/2027	00:02:07	वृश्चि व	राहु व	कर्क	01:20:26	सूर्य	10/02/2036
गुरु	21/03/2030	00:02:07	वृष व	केतु व	मक	01:20:26	चन्द्र	10/09/2037
शनि	20/05/2033	02:32:40	मक व	हर्ष व	मक	26:55:36	मंगल	20/10/2038
बुध	20/03/2036	29:31:47	धनु व	नेप व	मक	12:31:39	राहु	26/08/2041
केतु	20/05/2037	03:11:55	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	17:36:59	गुरु	08/03/2044

लग्न-चलित

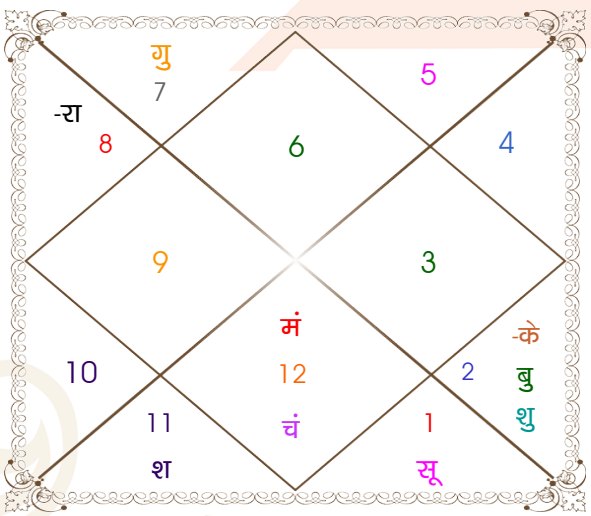

लग्न-चलित

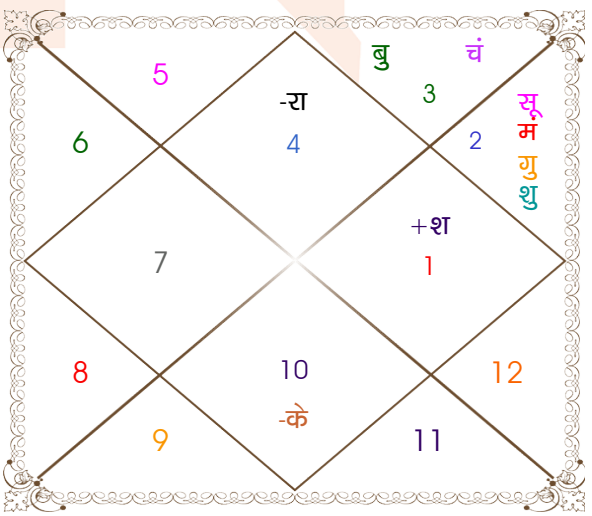

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

।उंद ठींतकूंर का वर्ग सर्प है तथा Priya devi का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।उंद ठींतकूंर और Priya devi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।उंद ठींतकूंर मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र ।उंद ठींतकूंर कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Priya devi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Priya devi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

उंद ठींतकूंर तथा Priya devi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।